

1-7-2018

पंचवली आज राजसि लोक सफल
 रहल खेवा केउ गुण्य मोहमसगद
 पर देमा हुनी जयि नवराजा
 पतिपक्षीगण से कोर के प्रमिपक्षीन,
 बस रूपग) अण्णली सहजरी के
 पूल वर निस्तरित दे जाने से
 इर प्राण्य के चलने का मोर
 भोचिय नही हौ अत. प्राण्य पर
 इसी स्तर पर निस्तरित भिज
 जाता हौ पंचवली जैबल शुभार
 होकर नमर से रग दे तथा
~~काम~~ शामिल पूल वर हौ

अवरलीन

नि बन्ध